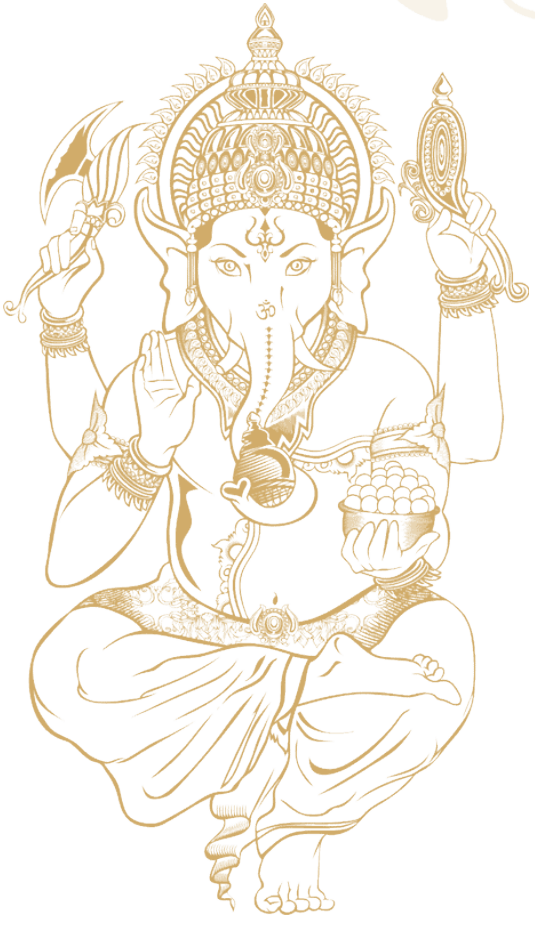

Mr.Rajat Gupta

Ms. Mahima Mittal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119947503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/01/1997	जन्म तिथि	23/03/1998
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:26:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 38:22:55	जन्म समय(घटी)	28:16:57 घटी
India	देश	India
Moradabad	स्थान	Kolhapur
28:50:00 उत्तर	अक्षांश	16:42:00 उत्तर
78:45:00 पूर्व	रेखांश	74:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:00	स्थानिक संस्कार	-00:32:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:50	सूर्योदय	06:35:11
17:52:05	सूर्यास्त	18:43:56
23:49:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 3मा 18दि	17:21:32	कन्या	लग्न	सिंह	23:01:25	सूर्य 1वर्ष 11मा 18दि
गुरु	17:02:05	मक	सूर्य	मीन	08:49:27	राहु
20/05/2016	04:11:19	तुला	चंद्र	मक	05:37:51	11/03/2017
20/05/2032	11:51:49	कन्या	मंगल	मीन	20:39:11	11/03/2035
गुरु 08/07/2018	23:18:40	धनु	बुध	मीन	26:28:01	राहु 22/11/2019
शनि 19/01/2021	08:18:53	मक	गुरु	कुंभ	17:24:08	गुरु 16/04/2022
बुध 27/04/2023	01:49:29	मक	शुक्र	मक	22:25:16	शनि 20/02/2025
केतु 01/04/2024	09:39:48	मीन	शनि	मीन	26:53:07	बुध 10/09/2027
शुक्र 01/12/2026	06:01:13	कन्या	राहु	सिंह	16:33:41	केतु 27/09/2028
सूर्य 20/09/2027	06:01:13	मीन	केतु	कुंभ	16:33:41	शुक्र 28/09/2031
चन्द्र 19/01/2029	11:10:09	मक	हर्ष	मक	17:42:23	सूर्य 22/08/2032
मंगल 26/12/2029	04:07:47	मक	नेप	मक	07:51:23	चन्द्र 21/02/2034
राहु 20/05/2032	11:23:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:11:25	मंगल 11/03/2035

लग्न-चलित

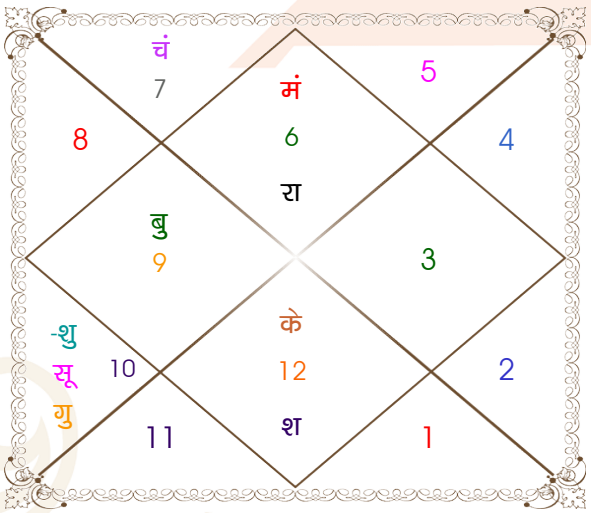

लग्न-चलित

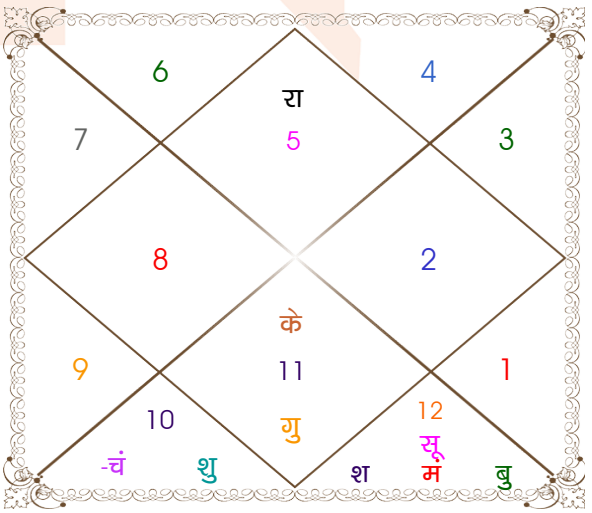

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्ंरंज ळनचजं का वर्ग मृग है तथा डेण् डीपउं डपजजंस का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ंरंज ळनचजं और डेण् डीपउं डपजजंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ंरंज ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण्ंरंज ळनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण् डीपउं डपजजंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण् डीपउं डपजजंस कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण् डीपउं डपजजंस कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ट्रंज ळनचजं तथा डेण् डीपउं डपजजंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।